पाठ्यक्रम संरचना
सत्र–2018–19
कक्षा–XI
विषय– मनोविज्ञान (N-167)

सैद्धांतिक–70
प्रायोजना–30

कुल अंक–100

क्र.	इकाई एवं पाठ्यवस्तु	आंबटित अंक	कालखण्ड
1	मनोविज्ञान क्या है ?	07	16
2	मनोविज्ञान में जाँच की विधियाँ	10	20
3	मानव व्यवहार के आधार	08	20
4	मानव–विकास	06	16
5	संवेदी, अवधानिक एवं प्रात्यक्षिक प्रक्रियाएँ	08	20
6	अधिगम	09	22
7	मानव स्मृति	08	20
8	चिन्तन	07	18
9	अभिप्रेरणा एवं संवेग	07	18
कुल योग–		70	170
प्रायोगिक कार्य–		30	60
महा योग–		100	230

कक्षा – ग्यारहवीं
विषय – मनोविज्ञान
विषय कोड – N- 167
सत्र्–2018–19

अध्याय 1 – मनोविज्ञान क्या है? अंक–07 कालखण्ड– 16

परिचय, मनोविज्ञान क्या है? मनोविज्ञान एक विद्या शाखा के रूप में, मनोविज्ञान एक प्राकृतिक विज्ञान के रूप में, मनोविज्ञान एक सामाजिक मनोविज्ञान के रूप में, मन एवं व्यवहार की समझ, मनोविज्ञान विद्याशाखा की प्रसिद्ध धारणाएँ, मनोविज्ञान का विकास, भारत में मनोविज्ञान का विकास, मनोविज्ञान की शाखाएँ, अनुसंधान एवं अनुप्रयोग की कथ्य, मूल बनाम अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान, मनोविज्ञान एवं अन्य विद्याशाखाएँ, कार्यरत मनोवैज्ञानिक, दैनंदिन जीवन मे मनोविज्ञान।

अध्याय 2 – मनोविज्ञान में जाँच की विधियाँ अंक–10 कालखण्ड– 20

परिचय, मनोविज्ञान जाँच के लक्ष्य, मनोवैज्ञानिक अनुसंधान के चरण, अनुसंधान के वैकल्पिक प्रतिमान, मनोवैज्ञानिक प्रदत्त का स्वरूप, मनोविज्ञान की कुछ महत्वपूर्ण विधियाँ–प्रेक्षण विधि, प्रेक्षण के प्रकार, प्रायोगिक विधि, परिवर्त्य का संप्रत्यय, प्रायोगिक एवं नियंत्रित समूह, क्षेत्र प्रयोग एवं प्रयोग–कल्प, सहसंबंधात्मक अनुसंधान, सर्वेक्षण अनुसंधान, मनोवैज्ञानिक परीक्षण, परीक्षण के प्रकार, व्यक्ति अध्ययन, प्रदत्त विश्लेषण–परिमाणात्मक विधि, गुणात्मक विधि, मनोवैज्ञानिक जॉच की सीमाएँ, नैतिक मुद्दे।

अध्याय 3 – मानव व्यवहार के आधार अंक–08 कालखण्ड– 20

परिचय, विकासवादी परिप्रेक्ष्य, जैविकीय एवं सांस्कृतिक मूल्य, व्यवहार के जैविकीय आधार–तंत्रिका कोशिकाएँ, तंत्रिका आवेग, तंत्रिका–कोष संधि, तंत्रिका तंत्र और अन्तःस्त्रावी तंत्र की संरचना एवं प्रकार्य तथा व्यवहार और अनुभव के साथ उनके संबंध, तंत्रिका तंत्र–परिधीय तंत्रिका तंत्र, कायिक तंत्रिका तंत्र, स्वायत्त तंत्रिका तंत्र, केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र, मस्तिष्क और व्यवहार, मस्तिष्क की संरचना, मेरूरज्जू, प्रतिवर्ती क्रियाएँ, अंतःस्त्रावी तंत्र, आनुवंशिकताः जीवन एवं व्यवहार, गुणसूत्र, जीन सांस्कृतिक आधारः व्यवहार का सामाजिक–सांस्कृतिक निरूपण, संस्कृति का संप्रत्यय, संस्कृति क्या है? सांस्कृतिक संचरण, संस्कृतीकरण, समाजीकरण, समाजीकरण कारक, परसंस्कृतिग्रहण।

अध्याय 4 – मानव विकास अंक–06 कालखण्ड– 16

परिचय, विकास का अर्थ, विकास को प्रभावित करने वाले कारक, विकास का संदर्भ, विकासात्मक अवस्थाओं की समग्र दृष्टि, प्रसव पूर्व अवस्था, शैशवावस्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था की चुनौतियाँ, प्रौढ़ावस्था एवं वृद्धावस्था।

अध्याय 5 – संवेदी, अवधानिक एवं प्रात्यक्षिक प्रक्रियाएँ अंक–08 कालखण्ड– 20

परिचय, जगत का ज्ञान, उद्धीपक का स्वरूप एवं विविधता, संवेदन प्रकार ज्ञानेंद्रियों की प्रकार्यात्मक सीमाएँ, चाक्षुष संवेदना, मानव आँख, श्रवण संवेदना, मानव कान, ध्वनि एक उद्धीपक के रूप में, अवधानिक प्रक्रियाएँ, चयनात्मक अवधान, संघृत अवधान, प्रात्यक्षिक प्रक्रियाएँ, प्रत्यक्षणकर्ता, प्रात्यक्षिक संगठन के सिद्धांत, स्थान, गहनता तथा दूरी प्रत्यक्षण, प्रात्यक्षिक स्थैर्य, भ्रम, प्रत्यक्षण पर सामाजिक–सांस्कृतिक प्रभाव।

अध्याय 6 – अधिगम अंक–09 कालखण्ड– 22

परिचय, अधिगम का स्वरूप, अधिगम की विशेषताएँ अधिगम के प्रतिमान, प्राचीन अनुबंधन, प्राचीन, अनुबंधन के निर्धारक, क्रियाप्रसूत/नैमित्तिक अनुबंध क्रियाप्रसूत अनुबंधन के निर्धारक, प्रबलन के प्रकार, प्रबलन की संख्या तथा अन्य विशेषताएँ, प्रमुख अधिगम प्रक्रियाएँ, प्रेक्षणात्मक अधिगम, संज्ञानात्मक अधिगम, वाचिक अधिगम, संप्रत्यय अधिगम, कौशल अधिगम, अधिगम अंतरण–अविशिष्ट अंतरण, विशिष्ट अंतरण, अधिगम को सुगम बनाने वाले कारक, अधिगमकर्ताः अधिगम शैलियाँ, अधिगम अशक्तताएँ, अधिगम सिद्धांतों के अनुप्रयोग।

अध्याय 7 – मानव स्मृति अंक–08 कालखण्ड– 20

परिचय, स्मृति का स्वरूप, सूचना प्रक्रमण उपागम : अवस्था मॉडल, स्मृति तंत्र : संवेदी, अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक स्मृतियॉ, प्रक्रमण स्तर, दीर्घकालिक स्मृति के प्रकार, स्मृति में ज्ञान का संगठन एवं प्रतिनिधान, स्मृति एक रचनात्मक प्रक्रिया के रूप में,विस्मरण के स्वरूप एवं कारण–चिन्ह ह्रास के कारण विस्मरण, अवरोध के कारण विस्मरण, पुनरूद्धार असफलता के कारण विस्मरण, स्मृति वृद्धि, प्रतिमाओं के उपयोग से स्मृति सहायक संकेत, संगठन के उपयोग से स्मृति सहायक संकेत।

अध्याय 8 – चिंतन अंक–07 कालखण्ड– 18

परिचय, भूमिका, चिंतन के गुण (प्रकृति), चिंतन के मूलभूत अंग, चिंतन की प्रक्रिया, समस्या समाधान, तर्क वितर्क, निर्णय निर्धारण, सृजनात्मक चिंतन के गुण एवं प्रक्रिया, सृजनात्मक चिंतन का विकास, सृजनात्मक चिंतन में बाधाऐं, सृजनात्मक चिंतन की रणनीति, भाषा एवं विचार, भाषा एवं भाषा उपयोग का विकास।

अध्याय 9 – अभिप्रेरणा एवं संवेग अंक–07 कालखण्ड– 18

परिचय, अभिप्रेरणा का स्वरूप, अभिप्रेरणात्मक चक्र, अभिप्रेरकों के प्रकार–जैविक अभिप्रेरक, मनोसामाजिक अभिप्रेरक, मैस्लो का आवश्यकता पदानुक्रम, कुंठा एवं द्वंद, संवेगों का स्वरूप , संवेगों के शरीर क्रियात्मक आधार, संवेगों के संज्ञानात्मक आधार, संवेगों के सांस्कृतिक आधार, संवेगों की अभिव्यक्ति, संस्कृति एवं संवेगों का नामकरण, विषेद्यात्मक संवेगों का प्रबंधन, विध्यात्मक संवेगों में वृद्धि।

प्रायोगिक / प्रायोजना कार्य (Project Work)
कक्षा – ग्यारहवीं (XI)
विषय – मनोविज्ञान (Psychology)
Subject Code – N-167

सत्र 2018–19

समय : 03 घण्टे
(Time :Three Hours)

अधिकतम अंक : 30 अंक
(Max. Marks)30

स. क्र. **S.No.**	विषयवस्तु **(Heading)**	अंकभार **Marks allotted**
1	Practical **(Expeiment) File** (प्रायोगिक रिकार्ड)	05
2	Project File (प्रोजेक्ट रिकार्ड)	05
3	Viva voce **(experiments and project)** मौखिक (प्रयोग व प्रायोजना पर आधारित)	05
4	One experiment **: 05 marks for conduct and 10 marks for reporting** (एक प्रयोग: 5+10)	15
	योग	**30**